योजना' लिखा है वे दिल्ली तथा उसके आस पास के नगर में प्राइवेट दुकानो को बेची जा रही हैं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस मामले की जाच करेगी ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) इस योजना के अन्तर्गत मिलने वाली दवाओ के प्राइवेट दुकानो मे बेची जाने की सरकार को कोई सूचना प्राप्त नही हुई है।

(ख) यह प्रश्न नही उठता।

Cholera

8385. SHRI MANORANJAN BHAKTA : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether a large number of cases of cholera have been reported from J.J. colonies in Delhi recently ; and

(b) if so, the facts and reasons and what steps are being taken by Government to provide necessary medical facilities and to check this epidemic ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV) : (a) and (b). According to information furnished by Municipal Corporation, Delhi not a single case of cholera has been reported from J .J. colonies in Delhi. However, a number of gastro enteritis cases have occurred in these colonies.

The following preventive steps have been taken by the Municipal Corporation, Delhi against cholera and typhoid :—

(1) Mass inoculation.

(2) Constant testing of water to ensure supply of safe drinking water.

(3) The people have been advised to use boiled water and aviod the taking of exposed foodstuff.

Proposal for Central Coal Washeries Organisation

8386. SHRI D. AMAT : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under consideration with Government to form a Central Coal Washeries Organisation to ensure adequate supply of coal to the steel plants; and

(b) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI KARIA MUNDA) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Construction of Post Office Building at Jamnagar

8387. SHRI VINODBHAI B. SHETH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether it is true that the present old Post Office Building at Jamnagar is to reconstructed;

(b) if so, what alternative temporary accommodation has been arranged, if yes, whether possession taken, if not, reasons therefor; and

(c) when the reconstruction work is to commence and is likely to be completed ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI NARHARI PRASAD SUKHDEO SAI) : (a) Yes, Sir.

(b) Out of four offcers of buildings for housing the Jamnagar P. O. temporarily, one building has been found suitable. Executive Engineer, P & T Civil, Ahmedabad has been aksed to assess its rent, after which final decision will be taken expeditiously.

(c) Work is likely to commence this year and is expected to be completed during 1980-81.

गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं

8388. श्री अमर सिंह वी० राठवा : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में कुछ विशिष्ट चिकित्सा सुविधाएं देने का

विचार है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मोटा ब्यौरा क्या है तथा इस पर कितनी धनराशि खर्च होगी ;

(ख) कार्यरत स्वास्थ्य केन्द्रो में इस समय उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओ का ब्यौरा क्या है, और

(ग) क्या आदिवासियो मे फैलते हुए मलेरिया और ज्वर को रोकने के लिए कुछ ठोस उपाय किए गए है और यदि हा, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ,

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) आदिवासी खण्डो मे 53 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 11 सहायक स्वास्थ्य यूनिटें, औषधालयों सहित दर्जा बढायें गये सात उप-केन्द्र, 3 गश्ती औषधालय, 2 रेफरल अस्पताल, 25 पलगो वाला प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 4 ग्रामीण अस्पताल है। ये 27 लाख आबादी की आवश्यकताओ को पूरा करते है।

वास्तविक व्यय का विवरण इस प्रकार है :

	लाख रु०
1974–75	7 73
1975–76	0.81
1976–77	29.88
1977–78	59 95 लाख रु० की व्यवस्था की गई है।

(ख) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्लाक के लोगो को रोग-निरोध, स्वास्थ्य सुधार तथा उपचार की सुविधाएं प्रदान करते हैं।

(ग) गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में संशोधित कार्य-योजना के अन्तर्गत निम्न-लिखित कदम उठाये गये हैं :

(1) मलेरिया निगरानी कार्यकर्ता प्रत्येक पखवाडे मे बुखार के रोगियों का पता लगाने के लिए घर-घर जाता है, इन रोगियों के रक्तलेप लेता है और अपने सामने ही संभावित इलाज करता है।

(2) इसी प्रकार बुखार के सारे रोगियो की रक्त लेपे इकट्ठी की जा रही है और चिकित्सा सस्थाओ के माध्यम से उनका इलाज किया जा रहा है।

(3) रोग फैलने के मौसम मे बीमारी की खास परिस्थितियो मे घरों के अन्दर कीटनाशी दवाई का छिडकाव किया जाता है।

(4) छिडकाव की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए छिडकाव कार्य मे पंचायतो को लगाया जा रहा है।

(5) रोगियों का तुरन्त उपचार करने के लिए उन्हे 4–अमाइनोक्वीनोलिन तथा प्राइमाक्विन दी जाती है। जिन क्षेत्रो मे पी० फाल्सी-परम की बहुलता होती है उनमे इलाज के लिए क्लोरोक्विन और डाराप्रिम का इस्तेमाल किया जाता है।

(6) ग्राम पचायतों/अध्यापको को मलेरिया-रोधी कार्यों मे परि-स्थितियों के अनुकूल बनाने की योजना बना ली गई है। बुखार के रोगियो को मलेरिया दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायतों और स्कूलों के अध्यापकों की सहायता से औषध वितरण केन्द्र और बुखार के इलाज के डिपो खोल दिए गए हैं।